बूंदी शहर कई वार्डों में अनियमित जलापूर्ति को लेकर लोगों का प्रदर्शन

अधीक्षण अभियंता और अधिशासी अभियंता के नहीं मिलने पर जाम लगाया

बूंदी, (निसं)। शहर के नैनवा रोड स्थित वार्ड 53, 54, 55 के लोगों ने सोमवार को अनियमित जलापूर्ति के खिलाफ जलदाय विभाग कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर जाम लगा दिया। वार्ड 54 पार्षद समीर अंसारी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिला व पुरुष एकत्रित होकर अधीक्षण अभियंता कार्यालय पहुंचे। यहां अधीक्षण अभियंता और अधिशासी अभियंता के नहीं मिलने पर प्रदर्शनकारी नाराज हो गए और उन्होंने कार्यालय के बाहर सड़क पर जाम लगा दिया। अचानक लगे इस जाम से रोड के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई।

लोगों ने अनियमित जलापूर्ति के खिलाफ जलदाय विभाग कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया।

सूचना पर कोतवाली थाना अधिकारी तेजपाल सैनी मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे और लोगों से समझाइश की। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से कहा कि जाम लगाने से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। अधिकारियों के साथ बैठकर वार्ता करें तब जाकर समस्या का समाधान हो सकता है। उन्होंने सहायक अभियंता नवीन नागर और कनिष्ठ अभियंता सिद्धार्थ जिंदल को बुलाकर प्रदर्शनकारियों के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की वार्ता करवाई। प्रतिनिधिमंडल का कहना था कि एक दिन छोड़कर एक दिन पानी की सप्लाई महज 20 से 25 मिनट हो रही है, जिससे पानी की पूर्ति नहीं हो पा रही है। महावीर कॉलोनी में तीन पानी की टंकियां है, लेकिन उन्हे पुरा भरा नहीं जाता है, वाल भी ठीक से नहीं खोले जाते। इससे सप्लाई प्रेशर के साथ नहीं होती है, जिसके चलते लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि रजत गृह कॉलोनी में प्रतिदिन डेढ़ से दो घंटा सप्लाई की जा रही है, यह भेदभाव शहर के लोगों के साथ किया जा रहा है। इस पर कनिष्ठ अभियंता सिद्धार्थ जिंदल ने कहा कि वार्ड 55 में रोजाना सप्लाई हो रही है लेकिन अब वहां भी हम एक दिन छोड़कर एक दिन सप्लाई करेंगे। लेकिन वह रजत गृह में प्रतिदिन होने वाली सप्लाई की बात को अनसुना कर गए।

■ सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों से समझाइश की

पार्षद समीर का कहना है कि महावीर कॉलोनी इलाके में वार्ड 53, 54 और 55 आते हैं। सबसे ज्यादा पानी की समस्या वार्ड 54 में है। यहां पानी की टंकी भी बनी हुई है, लेकिन पानी की टंकी को विभाग द्वारा पूरा नहीं भरा जाता है तथा पानी की सप्लाई प्रेशर से नहीं की जाती है, इससे ऊंचाई के हिस्सों पर पानी नहीं पहुंच पाता है। उन्होंने कहा कि यदि समस्या का समाधान नहीं किया तो फिर से बडा प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान मोहम्मद अली टेलर, अजीम अंसारी बिल्लू, रईस अंसारी, मेहरून निशा, कालू भाई, रईस भाई सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

स्पा सेंटर पर दबिश, सात युवतियां और एक युवक गिरफ्तार

संदिग्ध गतिविधियों की शिकायत पर कार्रवाई की

पुलिस ने स्पा सेंटर पर दबिश देकर सात युवतियों और एक युवक को गिरफ्तार किया।

झुंझुनूं, (निसं)। कोतवाली पुलिस ने शहर में एक स्पा सेंटर पर संदिग्ध गतिविविधयों की शिकायत पर दबिश दी है, जहां से सात युवतियों और एक युवक को गिरफ्तार किया है।

शहर कोतवाल पवन चौबे ने बताया कि लगातार कई दिनों से शिकायतें मिल रही थी कि पंचदेव मंदिर से आगे चलकर बगड़ रोड पर एक गली में एक स्पा सेंटर खुला हुआ है, जहां पर संदिग्ध गतिविधियां होती है, जिस पर रविवार को सिटी डीएसपी वीरेंद्र शर्मा की अगुवाई में टीम ने दबिश दी। टीम को वहां पर मणिपुर और उत्तराखंड की रहने वाली सात युवतियां मिली। वहीं एक युवक मिला, जिन्हें गिरफ्तार किया गया। इसके बाद उन्हें पाबंद करके छोड़ दिया गया। शहर कोतवाल पवन कुमार चौबे ने बताया कि जिस वक्त दबिश दी गई, उस वक्त स्पा सेंटर का संचालक चिड़ावा निवासी व्यक्ति मौके पर नहीं मिला। इसके बाद उसके मोबाइल नंबर पर संपर्क किया तो वो बंद आ रहा था, जिसकी तलाश की जा रही है। मौके से स्पा सेंटर संचालन का कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला है। वहीं स्पा सेंटर पर पांच केबिन अलग-अलग बने हुए थे, जिनकी भी तलाशी ली जा रही है।

■ जांच के लिए पुलिस ने सीसीटीवी की डीवीआर जब्त की

उन्होंने बताया कि सभी युवतियां 28 से 35 साल की है और उत्तराखंड और मणिपुर की रहने वाली है। जिन्होंने पूछताछ में बताया कि वे कुछ महीनों से इस स्पा सेंटर में काम करती है। स्पा सेंटर पर बने कमरों में ही रहती है और नीचे बने स्पा सेंटर पर काम करती है। पुलिस ने बताया कि स्पा सेंटर में लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर को जब्त कर लिया गया है, जिन्हें विशेषज्ञ द्वारा चैक करवाया जाएगा। इसी डीवीआर से स्पा सेंटर के राज खुलेंगे। उन्होंने बताया कि जो युवक गिरफ्तार किया गया है। उसने बताया कि वह वहां पर खाना बनाने का काम करता है, जिसे लेकर भी पूछताछ चल रही है।

युवक ने फंदा लगाकर दी जान

जोधपुर, (कासं)। प्रतापनगर सदर थानान्तर्गत आखलिया चौराहा स्थित बरकत कॉलोनी में रहने वाले एक युवक ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। पुलिस ने मृतक के भाई की रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज किया है। प्रतापनगर सदर पुलिस ने बताया कि बरकत कॉलोनी, आखलिया चौराहा निवासी असरार अहमद पुत्र निसार अहमद की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसके भाई 32 वर्षीय अबरार अहमद ने घर में पंखे के हुक में फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या की वजह पुलिस को फिलहाल नहीं बताई गई है।

दो सूने मकानों से लाखों के आभूषण और नगदी चोरी

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट क्षेत्र में चोरों ने दो सूने मकानों में सैंध लगाकर वहां से लाखों के जेवरात और नगदी पर हाथ साफ किया। पीड़ितों ने संबंधित थानों में मामला दर्ज करवाया है।

माता का थान पुलिस ने बताया कि रूप नगर में रहने वाली नारंगी पत्नी जितेंद्र फुलवारिया की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि वह 2 जून को अपने पीहर गई हुई थी और घर सूना पड़ा था। 8 जून को पड़ौसी ने सूचना दी कि घर के ताले टूटे पड़े है। इस पर वह वापिस अपने घर आई। अज्ञात चोर घर से सोने का बोर, एक अंगूठी, दो नाक की फिणियां, दो चांदी की चूड़ियां, 3 बिछियां, पायल जोड़ी के साथ 6-7 हजार की नगदी चुरा ले गए। माता का थान पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज किया है।चोरों का पता लगाया जा रहा है। दूसरी तरफ सूरसागर पुलिस ने बताया कि चांदपोल गोहर का चौक निवासी यमित दवे पुत्र प्रवीण दवे ने मामला दर्ज करवाया। इसमें बताया कि वह अपनी माताजी के साथ 20 मई को ननिहाल सिरोही पिण्डवाडा गया था। वापिस 8 जून को लौटने पर पता लगा कि घर के ताले टूटे पड़े हैं। अज्ञात चोरों द्वारा घर से 15 हजार की नगदी, कान की बाली, दो फिणी, तीन पायल जोड़ी के साथ जरूरी दस्तावेज चोरी कर लिए गए। मामले में सूरसागर पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज किया है।चोरों का पता लगाया जा रहा है।

कार में घुसा ऊंट, देखकर लोग चकराए

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर संभाग में एक अजीबोगरीब वाक्या सामने आया है, जहां एक ऊंट कार में घुस गया। कार में घुसे ऊंट को देखकर लोग चकरा गये। मामला हनुमानगढ़ का है। जहां एक ऊंट को कार की टक्कर लग गई। उसके बाद ऊंट कार का आगे का शीशा तोड़ता हुआ उसके अन्दर बुरी तरह से फंस गया, जिसे देखने के लिए लोगों की भीड़ लग गई और एकबारगी यातायात जाम हो गया। बाद में पोकलेन मशीन की मदद से ऊंट को कार से बाहर निकाला गया। मौके पर ही पशु चिकित्सक से ऊंट का प्राथमिक उपचार कराया गया। बताया जा रहा है कि देर शाम यह ऊंट खुला घूम रहा था। अंधेरा होने के कारण एक कार ऊंट से टकरा गई। टक्कर तेज होने के कारण ऊंट का बैलेंस बिगड़ गया। ऊंट कार का अगला शीशा तोड़ते हुए उसके अंदर चला गया और फंस गया।

जमीन में दबा रखी हेरोइन से भरी थैली जब्त

कुत्तों ने खोदकर निकाली तो हुआ भंडाफोड़, पुलिस मौके पर पहुंची

हनुमानगढ़, (निसं)। रावतसर के वार्ड 12 में नशे के सौदागरों ने हेरोइन की एक-एक ग्राम की पुड़िया बनाकर उनको थैली में रखकर जमीन में दबा रखा था। मगर गली के कुत्तों ने नशे के तस्करों का सारा खेल बिगाड़ दिया और उनका भंडाफोड़ हो गया। रावतसर कस्बे में निराश्रित कुत्तों ने जमीन में दबाई एक थैली निकाली।

आसपास के लोगों ने देखा तो थैली को कुत्तों से छुड़ाया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच थैली को कब्जे में लिया तो उसमें 45 ग्राम चिट्टा मिला। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वार्ड 12 में सुबह कुछ कुत्ते थैली फाड़ रहे थे जिसमें कई छोटी-छोटी पुड़िया थी। इसके अलावा छोटा इलेक्ट्रोनिक कांटा, पन्नी व प्लास्टिक की थैलियां थी। चिट्टा पीने में इस्तेमाल होने वाली पन्नी देखकर वार्डवासियों को मामला संदिग्ध लगा तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच चिट्टा तथा अन्य सामान जब्त कर लिया एवं घटना स्थल का निरीक्षण किया।

मदद के बहाने लूटने वाले दो शातिर गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर के रातानाडा पांच बत्ती के पास में एक गाड़ी चालक से मदद के बहाने लूटपाट करने वाले दो युवकों गिरफ्तार किया है। घटना 29 मई की है। उसे चाकू दिखाकर पर्स लूटने के साथ नींद में मोबाइल चुरा लिया गया था। पीड़ित लू और तापघात का शिकार होने पर एक चबूतरे पर लेट गया था। इसी दौरान मदद के बहाने आए युवकों ने यह लूटपाट की।

एकता नगर बनाड़ के रहने वाले गुलाम अशरफ पुत्र अब्दुल कलाम की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि वह गाड़ी चलाता है। 29 मई को वह अपने मालिक के पास में गाड़ी छोड़कर पैदल लौट रहा था। लू-तापघात के चलते उसकी तबीयत खराब होने लगी तो वह रातानाडा में एक चबूतरे पर सो गया। वह निद्रावस्था में था तब दो युवक उसके पास आए और जेब से उसका मोबाइल निकाल लिया।

फिर उसे अस्पताल में ले जाने की बात करते हुए उसे उठाया। बीच रास्ते पांच बत्ती के पास सूने स्थान पर लेकर गए जहां चाकू दिखाकर उसका पर्स लूट लिया। पर्स में चार हजार रूपए थे। लुटापिटा गुलाम अशरफ परेशानी के चलते अपने घर चला गया। बाद में उसने रातानाडा थाने में रिपोर्ट दी। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए लुटेरों की तलाश आरंभ की। इस बारे में दो आरोपियों भाखरीबास सूरसागर निवासी पिन्नू पंडित और पंचोलिया नाडी प्रतापनगर सदर निवासी अमन को गिरफ्तार किया है। जिनसे लूट की राशि के साथ चुराया मोबाइल और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की जानी है। अभियुक्तों से पूछताछ की जा रही है।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद थाना क्षेत्र में घटित सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। बाबू सिंह रावत ने रिपोर्ट दर्ज कराकर बताया कि गोपाल सिंह पुत्र मोती सिंह रावत निवासी बूटावड़ी सालिया पुलिस थाना मुख्यालय करेड़ा अपनी कार जिसमें सवार होकर उनके गांव से रविवार देर रात्रि को आसींद की ओर आ रहे थे। उनके साथ गांव के ही जीवण सिंह, सरवण सिंह, गाड़ी में सवार थे। गाड़ी गोपाल सिंह रावत चला रहा था। तेज गति से लापरवाही पूर्वक भीम गुलाबपुरा नेशनल हाईवे 148 डी सुमन होटल के पास पुल के पास पहुंचे ही थे कि गाड़ी पलटी खा गई। घायलों को राहगीरों ने 108 एंबुलेंस से आसींद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां चालक गोपाल सिंह रावत को डॉक्टर ने मृत घोषित किया, वही जीवन सिंह, सरवण सिंह की हालत गंभीर होने से भीलवाड़ा भेजा गया।

प्रदेश में सर्वाधिक ट्रक-ट्रोलों वाला गांव रासीसर, अलग से डीटीओ कार्यालय खोला

रासीसर में ट्रक व बसों से सालाना पांच करोड़ का राजस्व सरकार को टैक्स के रूप में मिलता है

बीकानेर, (निसं)। क्षेत्र के नोखा उपखंड में इकलौता गांव यहां करीने से खड़े ट्रक, खेतों में पंक्तिबद्ध खड़ी बसें। यह न तो ट्रकों का पार्किंग स्थल है, न ही बसों की कार्यशाला। यह प्रदेश का इकलौता गांव है, जहां इतने ट्रक और बसें हैं कि इसके लिए नोखा में अलग से डीटीओ कार्यालय ही खोलना पड़ा।

प्रदेश में सर्वाधिक ट्रक-ट्रोलों वाला यह गांव रासीसर बीकानेर के नोखा उपखंड क्षेत्र में है। इस गांव के ट्रकों और बसों से सालाना पांच करोड़ का राजस्व सरकार को टैक्स के रूप में मिलता है। गांव की आबादी भले 15 हजार है, लेकिन करोड़ों रुपए की कीमत के 1500 ट्रक-ट्रोले और 125 बसों के मालिक यहां रहते हैं। वर्तमान में नोखा डीटीओ कार्यालय का राजस्व वसूली का सालाना टारगेट 46.53 करोड़ हैं। मासिक राजस्व वसूली 3.75 करोड़ है। इसमें बड़ा हिस्सा अकेले रासीसर गांव का है। खास बात यह है कि राज्य में कई ऐसे जिले हैं, जिनका पूरे जिले का सालाना राजस्व इस अकेले गांव से कम है।

गांव में पांच हजार से अधिक छोटे-बड़े वाहन हैं। यहां पर ट्रांसपोर्ट व्हीकल में 1500 ट्रक-ट्रेलर-डंपर, 125 छोटी-बड़ी बसें, 728 पिकअप-कैम्पर, 806 लग्जरी कारों के साथ ऑटो समेत कई गाड़ियां हैं। 1800 से 2000 दुपहियां वाहन है। गांव के कुछ ट्रांसपोर्ट व्यवसायी अब बीकानेर में भी निवास करने लगे हैं, हालांकि आज भी इनकी गाड़ियों पर रासीसर का नाम ही अंकित मिलता है। इस गांव में बिजली, पानी, चिकित्सा, सड़क सहित सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध है। ग्रामीण बताते हैं कि मंडा परिवार ने सबसे पहले 1978 में ट्रांसपोर्ट व्यवसाय की शुरुआत की। एक ट्रक से शुरुआत की, आज 100 ट्रक-ट्रेलर और 25 बसों के बेड़े में बदल चुकी है।

ट्रांसपोर्ट व्यवसायी मांगीलाल मंडा बताते हैं कि पिता भागीरथ मंडा गांवों में किसानों से अनाज एकत्रित कर कृषि मंडी में ले जाते थे। खुद ट्रक ड्राइवर थे, इसलिए 1978 में ट्रांसपोर्ट लाइन में आ गए। एक ट्रक खरीदा और उसी से तूड़ी व दूध की ढुलाई करने लगे। मुनाफा हुआ तो ट्रक खरीदते गए।

तीन दिन पहले घर से लापता युगल के शव मिले

जोधपुर, (कासं)। चामू चिड़वाई गांव से सात जून को रात को अपने घर से निकले युगल का शव गगाड़ी नहर पंपिंग स्टेशन की जाली में फंसा मिला। सूचना पर पुलिस वहां पहुंची और शवों को मथानिया सीएचसी अस्पताल लाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजन को सौंप दिया गया। उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं बताई गई है। मथानिया थाने में इस बाबत मर्ग की रिपोर्ट दी गई है। मृतक एक ही जाति के थे।

मथानिया थाने के एएसआई मोतीसिंह ने बताया कि चामू चिड़वाई पाबूनगर के रहने वाले पूनाराम पुत्र भगवान ने मर्ग की रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसकी पुत्री 22 साल की सीता सात जून को अपने घर से निकल गई थी, उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। वहीं इसी गांव से एक अन्य युवक 25 साल का अशोक पुत्र बद्रीराम भी साथ ही निकला था।

■ दोनों की मानसिक स्थिति ठीक नहीं बताई गई है, मृतक एक ही जाति के थे

दोनों की तलाश की जा रही थी। इधर सुबह पुलिस को सूचना मिली कि राजीव गांधी लिफ्ट नहर के गगाड़ी पंपिंग स्टेशन की जाली में दो शव पड़े हैं। इस पर उनकी पहचान सीता और अशोक के रूप में की गई। एएसआई मोतीसिंह ने बताया कि इस बारे में मर्ग दर्ज कर शव कार्रवाई के बाद परिजन को सुपुर्द कर दिए गए है। दोनों एक ही जाति के थे।

वाटर लाइन बिछाने के लिए सड़कें खोदी और भूल गई ठेका कंपनी

श्रीगंगानगर, (निसं)। पुरानी आबादी इलाके में वाटर लाइन बिछाने के लिए करीब दो सप्ताह पहले खोदी गई सड़कों को ठेका कंपनी भूल गई है। इससे लोगों की आवाजाही प्रभावित हो गई है। वहीं मिट्टी के ढेर से उड़ने वाली रेत लोगों को परेशान कर रही है। इधर, खोदी गई सड़कों पर दुकानदारों की दुकानदारी प्रभावित हो गई है। कई दुकानें तो पिछले दस दिनों से खुल भी नहीं रही है। यही हाल एल ब्लॉक, जी ब्लॉक और विनोबा बस्ती एरिया का है। यहां एक सप्ताह में वाटर लाइन और सीवर लाइन बिछाने के बाद सड़कों का फिर से निर्माण करने का दावा ठेका कंपनी एलएंडटी ने किया था, लेकिन दस दिन के बाद महज पचास फीसदी ही काम हो पाया है। नगर परिषद की ओर से इस एरिया में आठ महीने पहले नई सड़कों का जाल बिछाया गया था, लेकिन अब तोड़ दी गई है।

आरयूआईडीपी ने पुरानी आबादी सब्जी मंडी के पास एरिया को प्रयोगशाला बना दिया है। यहां पाइपलाइन डालने के लिए सड़क खोदी और इसे दुबारा मरम्मत करना भूल गए। यह सड़क कोड़ा चौक से भरतनगर तक जाती है। इस पर काफी वाहन रोजाना आवाजाही करते हैं, लेकिन पिछले दस दिनों से यह पूरा मार्ग बंद हो चुका है। पुरानी आबादी के अधिकांश वार्डो के लोग इस मार्ग के अवरुद्ध होने पर अपने एरिया के पार्षद को कोस रहे हैं। इस मुख्य रोड को ठेका कंपनी ने प्रयोगशाला बना दिया है। वाटर लाइन को दुरुस्त करने के नाम पर इस रोड को खोदा जा चुका है। दुकानदारों का कामकाज ठप हो गया है।

■ लोगों की आवाजाही प्रभावित, मिट्टी के ढेर से उड़ने वाली रेत लोगों को परेशान कर रही है

विनोबा बस्ती में नगर परिषद की पूर्व सभापति करुणा चांडक के आवास और ऑफिस के पास तीन गलियों में खोदी गई सड़कों के कारण यह एरिया अब नो एंट्री बन गया है। मिट्टी के ढेर लगने के बावजूद इसे दुरुस्त नहीं किया गया है। इस एरिया में आरयूआईडीपी ने वाटर लाइन और सीवर लाइन दोनों को एक साथ बिछाने की मुहिम चलाई है। प्री मानूसन होने के आसार जिला प्रशासन ने दिए हैं, लेकिन आरयूआईडीपी ने इसके बावजूद गंभीरता से नहीं लिया है। महज सात दिन में काम पूरा करने वाली ठेका कंपनी के कारीगर इसे एरिया में अब तक महज चालीस से पचास प्रतिशत काम होने की बात कहने लगे हैं। यह खुदाई पिछले दो सप्ताह से हो रही है। विनोबा बस्ती से सटे गणगौर नगर क्षेत्र में सीवरेज चेबर व पाइपलाइन डालने के लिए सड़क के बीचों बीच नहर जैसी खुदाई करके छोड़ दी गई है।

आरयूआईडीपी के लिए वाटर लाइन में बार बार लीकेज अब गलफांस बन गए हैं। इन लीकेज को ढूंढने के लिए इस नोडल एजेंसी की ठेका कंपनी एलएंडटी कंपनी के कारीगरों को अब तक रूट तक पता नहीं हैं। एसडी कॉलेज के सामने सीवर चैंबर से पानी लगातार बहता रहा तो दुकानदार ने नगर परिषद या ठेका कंपनी की बजाय सीधे जिला कलक्टर को शिकायत की। चंद मिनटों के बाद ठेका कंपनी के कारगीरों ने आकर इस लीकेज को बंद किया। इधर, जवाहरनगर सैक्टर सात में दो जगह पानी पाइप लाइन में लीकेज आया तो सड़कों को खोद दिया गया है, लेकिन दस दिनों के बाद इसे दुरुस्त भी किया।

मुजरास टोल प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन

ग्रामीणों ने कहा कि मुजरास टोल प्रशासन राजमार्ग पर नियमानुसार ना लाइट की व्यवस्था रखता है ना ही रिफलेक्टर की

भीलवाड़ा, (निसं)। मुजरास टोल विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक और जहां टोल प्रशासन आसपास के ग्रामीणों पर दबंगाई का आरोप लगा रहा है तो वहीं दूसरी और सैकड़ों की संख्या में आसपास के ग्रामीणों ने टोल प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

गुरला सरपंच श्रवण कुमार गुर्जर के नेतृत्व में ग्रामीणों ने कलेक्ट्री पर प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ग्रामीणों ने कहा कि मुजरास टोल प्रशासन राजमार्ग पर नियमानुसार ना लाइट की व्यवस्था रखता है ना ही रिफलेक्टर की। बीती रात ही अंधेरे और रिफलेक्टर के अभाव में एक बैंककर्मी हादसे का शिकार हो गया। मुजरास टोल पर फोन किया गया परंतु कोई एंबुलेंस उपलब्ध नहीं होने के कारण दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की मौत हो गई।

ग्रामीणों ने टोल प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों ने मांग की है कि उक्त मामले में टोल प्रबंधन और टोल ठेकेदार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया जाए। टोल प्रबंधन द्वारा ना लाइट की, ना ही सड़कों की माकूल देखभाल की जाती है। सड़क पर हो रहे गड्ढों के कारण आए दिन हादसे हो रहे है। नियमानुसार सड़क के दोनों और वृक्षारोपण होना चाहिए लेकिन 10 वर्षों में टोल प्रबंधन द्वारा एक भी पेड़ जीवित नहीं रखा गया है। सिर्फ फोटो के लिए पौधे लगाए जाते हैं और इतिश्री की जाती है। मवेशियों की सुरक्षा के लिए भी कोई इंतजाम नहीं है। यही नहीं नियमानुसार आसपास के ग्रामीणों को टोल से मुक्त रखा जाना चाहिए लेकिन टोल प्रबंधन अपनी गुंडागर्दी के दम पर ग्रामीणों से टोल की अवैध वसूली करता है। ग्रामीण जब अपनी शिकायत लेकर टोल प्रबंधन के ऑफिस में जाते हैं तो सीसीटीवी फुटेज को आधार बना कर ग्रामीणों के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज करवाए जाते हैं। ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में 5 दिन का अल्टिमेटम देते हुए कार्रवाई की मांग की है।

■ बीती रात ही अंधेरे और रिफलेक्टर के अभाव में एक बैंककर्मी हादसे का शिकार हो गया, एंबुलेंस उपलब्ध नहीं होने के कारण दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की मौत हो गई थी